ForumIAS

यूपीएससी सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा — हिन्दी (अनिवार्य)

150 मुहावरे — अर्थ एवं वाक्य-प्रयोग

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
1	**आँखों का तारा**	बहुत प्यारा	मोहन अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।
2	**आँखें बिछाना**	प्रेमपूर्वक स्वागत करना	बेटे के लौटने पर माँ ने आँखें बिछा दीं।
3	**अपना उल्लू सीधा करना**	अपना स्वार्थ सिद्ध करना	नेता जनता से अपना उल्लू सीधा करते हैं।
4	**आग बबूला होना**	अत्यधिक क्रोधित होना	मेरी बात सुनकर पिताजी आग बबूला हो गए।
5	**आसमान सिर पर उठाना**	बहुत शोर मचाना	बच्चों ने खेल-खेल में आसमान सिर पर उठा लिया।
6	**आस्तीन का साँप**	विश्वासघाती मित्र	जिसे तुम हितैषी समझते हो, वही आस्तीन का साँप निकला।
7	**आकाश-पाताल एक करना**	बहुत कठिन परिश्रम करना	उसने नौकरी पाने के लिए आकाश-पाताल एक कर दिया।
8	**अंगूठा दिखाना**	साफ़ इनकार करना	मदद माँगने पर उसने अंगूठा दिखा दिया।
9	**अक्ल का दुश्मन**	महामूर्ख	ऐसा काम तो कोई अक्ल का दुश्मन ही करेगा।
10	**अंधे की लाठी**	एकमात्र सहारा	वृद्ध पिता के लिए उनका बेटा अंधे की लाठी है।
11	**ईद का चाँद होना**	बहुत दिनों बाद दिखाई देना	तुम तो आजकल ईद का चाँद हो गए हो।
12	**उँगली पर नचाना**	अपने वश में रखना	चतुर स्त्री पति को उँगली पर नचाती है।
13	**ऊँट के मुँह में जीरा**	आवश्यकता से बहुत कम	बड़े परिवार के लिए यह भोजन ऊँट के मुँह में जीरा है।
14	**एक और एक ग्यारह होना**	एकता में शक्ति होना	मिलकर काम करो, एक और एक ग्यारह होते हैं।
15	**ओखली में सिर देना**	जान-बूझकर मुसीबत मोल लेना	जब ओखली में सिर दिया तो मूसल से क्या डरना।
16	**कान भरना**	चुगली करना	उसने मालिक के कान भरकर मुझे नौकरी से निकलवा दिया।
17	**कलेजा मुँह को आना**	बहुत घबरा जाना	दुर्घटना का दृश्य देखकर मेरा कलेजा मुँह को आ गया।
18	**काम तमाम करना**	मार डालना	सैनिक ने शत्रु का काम तमाम कर दिया।
19	**कमर कसना**	किसी काम के लिए तैयार होना	परीक्षा के लिए अब कमर कस लो।
20	**कान पर जूँ न रेंगना**	कोई असर न होना	इतना समझाने पर भी उसके कान पर जूँ न रेंगी।
21	**खून-पसीना एक करना**	कठोर परिश्रम करना	किसान खून-पसीना एक करके अनाज उगाता है।
22	**खरी-खोटी सुनाना**	बुरा-भला कहना	देर से आने पर माँ ने खरी-खोटी सुनाई।
23	**खाक छानना**	मारा-मारा फिरना	नौकरी के लिए उसने शहर-शहर की खाक छानी।
24	**गड़े मुर्दे उखाड़ना**	बीती बुरी बातें फिर से याद दिलाना	बीती बातें भूल जाओ, गड़े मुर्दे मत उखाड़ो।
25	**गागर में सागर भरना**	थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कहना	कवि ने इस दोहे में गागर में सागर भर दिया।
26	**गिरगिट की तरह रंग बदलना**	बार-बार बात या रुख बदलना	वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलता है, भरोसा मत करो।
27	**गले का हार होना**	बहुत प्रिय होना	इकलौता पुत्र माँ के गले का हार है।
28	**घाट-घाट का पानी पीना**	बहुत अनुभवी होना	वह घाट-घाट का पानी पिए है, उसे धोखा देना कठिन है।
29	**घी के दीये जलाना**	बहुत खुशियाँ मनाना	बेटे के पास होने पर घर में घी के दीये जलाए गए।
30	**घोड़े बेचकर सोना**	निश्चिंत होकर सोना	परीक्षा समाप्त होते ही वह घोड़े बेचकर सोया।
31	**चार चाँद लगाना**	शोभा बढ़ाना	उसकी उपस्थिति ने समारोह में चार चाँद लगा दिए।
32	**चुल्लू भर पानी में डूब मरना**	बहुत लज्जित होना	इतनी बेईमानी करके तुम्हें चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।
33	**चोर की दाढ़ी में तिनका**	अपराधी का स्वयं प्रकट हो जाना	पूछते ही वह घबरा गया — चोर की दाढ़ी में तिनका।
34	**चिकना घड़ा**	बेशर्म व्यक्ति	उस पर किसी बात का असर नहीं होता, वह तो चिकना घड़ा है।

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
35	**छक्के छुड़ाना**	बुरी तरह हराना	भारतीय सेना ने शत्रु के छक्के छुड़ा दिए।
36	**जान के लाले पड़ना**	प्राण संकट में होना	युद्धभूमि में सैनिकों की जान के लाले पड़ गए।
37	**जले पर नमक छिड़कना**	दुःखी को और दुःख देना	वह पहले ही परेशान था, तुमने ताना देकर जले पर नमक छिड़क दिया।
38	**जमीन-आसमान का अंतर**	बहुत बड़ा अंतर	दोनों भाइयों के स्वभाव में जमीन-आसमान का अंतर है।
39	**झक मारना**	विवश होकर कुछ करना	कोई और उपाय न देख उसे झक मारकर मानना पड़ा।
40	**टका-सा जवाब देना**	रूखेपन से इनकार करना	सहायता माँगने पर उसने टका-सा जवाब दे दिया।
41	**टस से मस न होना**	जरा भी न हिलना/न मानना	इतना समझाने पर भी वह टस से मस न हुआ।
42	**टेढ़ी खीर**	कठिन काम	गणित हल करना उसके लिए टेढ़ी खीर है।
43	**ठन-ठन गोपाल**	बिलकुल निर्धन होना	महीने के अंत में तो मैं ठन-ठन गोपाल रहता हूँ।
44	**डकार तक न लेना**	हड़प कर चुप रह जाना	वह इतना धन हड़प गया और डकार तक न ली।
45	**तिल का ताड़ बनाना**	छोटी बात को बहुत बड़ा बना देना	जरा-सी बात पर तिल का ताड़ मत बनाओ।
46	**थाली का बैंगन**	अस्थिर विचारों वाला	वह तो थाली का बैंगन है, किसी की भी बात मान लेता है।
47	**दाँतों तले उँगली दबाना**	अत्यंत आश्चर्यचकित होना	उसकी प्रतिभा देखकर सबने दाँतों तले उँगली दबा ली।
48	**दाल में काला होना**	कुछ गड़बड़ होना	उसके व्यवहार से लगता है कि दाल में कुछ काला है।
49	**दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करना**	बहुत तेजी से उन्नति करना	उसका व्यापार दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति कर रहा है।
50	**दूध का दूध पानी का पानी करना**	सही और सच्चा न्याय करना	न्यायाधीश ने दूध का दूध पानी का पानी कर दिया।
51	**दो कौड़ी का**	बहुत तुच्छ	उसकी बातों का कोई मोल नहीं, वह दो कौड़ी का आदमी है।
52	**धज्जियाँ उड़ाना**	कठोर आलोचना कर देना	वकील ने गवाह के बयान की धज्जियाँ उड़ा दीं।
53	**नाक में दम करना**	बहुत तंग करना	शरारती बच्चों ने अध्यापक की नाक में दम कर दिया।
54	**नौ दो ग्यारह होना**	भाग जाना	पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।
55	**नाकों चने चबवाना**	बहुत परेशान करना	शत्रु सेना ने हमारे सैनिकों को नाकों चने चबवा दिए।
56	**नमक-मिर्च लगाना**	बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना	उसने बात में नमक-मिर्च लगाकर सुनाई।
57	**पानी-पानी होना**	बहुत लज्जित होना	अपनी गलती पकड़े जाने पर वह पानी-पानी हो गया।
58	**पौ बारह होना**	खूब लाभ होना	त्योहारों में व्यापारियों की पौ बारह हो जाती है।
59	**पीठ ठोकना**	शाबाशी देना	अच्छे अंक लाने पर शिक्षक ने उसकी पीठ ठोकी।
60	**पैरों तले जमीन खिसकना**	अचानक घबरा जाना	यह बुरी खबर सुनकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।
61	**फूला न समाना**	बहुत खुश होना	पुत्र की सफलता पर माँ फूली न समाई।
62	**फूँक-फूँक कर कदम रखना**	बहुत सावधानी बरतना	एक बार धोखा खाने के बाद वह फूँक-फूँक कर कदम रखता है।
63	**बाल-बाल बचना**	बड़ी मुश्किल से बचना	दुर्घटना में वह बाल-बाल बच गया।
64	**बगुला भगत होना**	ढोंगी/पाखंडी होना	ऊपर से साधु, भीतर से चोर — वह तो बगुला भगत है।
65	**बीड़ा उठाना**	दृढ़ संकल्प करना	उसने गाँव के विकास का बीड़ा उठाया।
66	**भाड़े का टट्टू**	पैसे लेकर काम करने वाला	वह तो भाड़े का टट्टू है, जिधर पैसा उधर वह।
67	**मक्खी मारना**	बेकार बैठे रहना	दुकान पर ग्राहक न होने से वह दिन भर मक्खी मारता रहा।
68	**मुँह की खाना**	बुरी तरह पराजित होना	घमंड में युद्ध लड़ने वाले को मुँह की खानी पड़ी।
69	**मुँह में पानी आना**	किसी वस्तु के लिए लालच होना	मिठाई देखकर बच्चों के मुँह में पानी आ गया।
70	**मैदान मारना**	विजय प्राप्त करना	कड़े मुकाबले में हमारी टीम ने मैदान मारा।
71	**रंग में भंग पड़ना**	आनंद में बाधा पड़ना	अचानक वर्षा से पिकनिक के रंग में भंग पड़ गया।

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
72	**राई का पहाड़ बनाना**	छोटी बात को बड़ा बना देना	तुम तो हर बात में राई का पहाड़ बना देते हो।
73	**लोहे के चने चबाना**	अत्यंत कठिन काम करना	यह परीक्षा पास करना लोहे के चने चबाने जैसा है।
74	**लकीर का फ़क़ीर होना**	पुरानी परंपरा पर ही चलते रहना	नए विचारों को अपनाओ, लकीर के फ़क़ीर मत बनो।
75	**लुटिया डुबोना**	काम पूरी तरह बिगाड़ देना	उसकी लापरवाही ने सारे सौदे की लुटिया डुबो दी।
76	**लोहा मानना**	श्रेष्ठता स्वीकार करना	उसकी प्रतिभा का सारा संसार लोहा मानता है।
77	**श्रीगणेश करना**	किसी काम का आरंभ करना	आज हमने नए काम का श्रीगणेश किया।
78	**सिर आँखों पर बैठाना**	बहुत आदर से स्वागत करना	अतिथि को हमने सिर आँखों पर बैठाया।
79	**सिर पर सवार होना**	किसी बात के लिए पीछे पड़ जाना	वह अपनी जिद लेकर हर समय मेरे सिर पर सवार रहता है।
80	**सब्ज़बाग दिखाना**	झूठी आशा दिलाना	ठग ने उसे सब्ज़बाग दिखाकर सारे पैसे ऐंठ लिए।
81	**सोने पर सुहागा**	अच्छे में और अधिक अच्छाई	वह सुंदर तो है ही, गुणवती भी है — सोने पर सुहागा।
82	**हवा से बातें करना**	बहुत तेज दौड़ना	घोड़ा हवा से बातें करने लगा।
83	**हाथ मलना**	पछताना	अवसर चूकने पर वह हाथ मलता रह गया।
84	**हाथों-हाथ लेना**	सहर्ष स्वीकार करना	बाजार में नए उत्पाद को लोगों ने हाथों-हाथ लिया।
85	**हाथ-पाँव मारना**	प्रयत्न करना	डूबते समय वह हाथ-पाँव मारता रहा।
86	**हवाई किले बनाना**	कोरी कल्पनाएँ करना	काम करने के बजाय वह दिनभर हवाई किले बनाता रहता है।
87	**अपने पैरों पर खड़ा होना**	आत्मनिर्भर होना	पढ़ाई पूरी कर वह अब अपने पैरों पर खड़ा है।
88	**अंधेरे में तीर चलाना**	बिना सोचे-समझे काम करना	बिना जानकारी अनुमान लगाना अंधेरे में तीर चलाना है।
89	**आँख का काँटा होना**	किसी को बुरा लगना/खटकना	प्रतियोगी उसकी आँख का काँटा बन गया।
90	**आँखों में धूल झोंकना**	धोखा देना	ठग पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भाग निकला।
91	**ईंट से ईंट बजाना**	पूरी तरह नष्ट कर देना	शत्रु के किले की ईंट से ईंट बजा दी गई।
92	**उल्टी गंगा बहाना**	नियम के विरुद्ध काम करना	बड़ों को उपदेश देना तो उल्टी गंगा बहाना है।
93	**एड़ी-चोटी का जोर लगाना**	पूरी शक्ति लगा देना	जीतने के लिए उसने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया।
94	**कलई खुलना**	भेद प्रकट हो जाना	जाँच होते ही उसकी सारी कलई खुल गई।
95	**काठ का उल्लू**	निरा मूर्ख	इतना सरल काम भी न कर सका, सचमुच काठ का उल्लू है।
96	**कीचड़ उछालना**	बदनाम करना	विरोधियों ने उस पर खूब कीचड़ उछाला।
97	**खरी-खरी सुनाना**	सच्ची बात मुँह पर कह देना	उसने अधिकारी को खरी-खरी सुना दी।
98	**गुदड़ी का लाल**	निर्धन घर का गुणवान व्यक्ति	वह गुदड़ी का लाल है, निर्धन होकर भी विद्वान बना।
99	**जहर का घूँट पीना**	विवश होकर अपमान या कष्ट सह लेना	अपमानित होकर भी वह जहर का घूँट पीकर रह गया।
100	**चाँदी काटना**	खूब धन कमाना	इस व्यापार में तो वह चाँदी काट रहा है।
101	**छठी का दूध याद आना**	घोर कष्ट में पड़ जाना	इतना कठिन काम मिला कि छठी का दूध याद आ गया।
102	**जड़ उखाड़ना**	पूरी तरह समाप्त कर देना	सरकार ने आतंकवाद की जड़ उखाड़ने की ठानी।
103	**झंडा गाड़ना**	कीर्ति स्थापित करना	उसने खेल-जगत में अपना झंडा गाड़ दिया।
104	**टाँग अड़ाना**	व्यर्थ हस्तक्षेप करना	दूसरों के काम में टाँग मत अड़ाओ।
105	**ठोकर खाना**	हानि उठाकर सीखना	कई ठोकरें खाने के बाद वह समझदार हुआ।
106	**डूबते को तिनके का सहारा**	विपत्ति में थोड़ी-सी सहायता भी बहुत	उस समय तुम्हारी सहायता डूबते को तिनके का सहारा थी।
107	**तलवे चाटना**	चापलूसी/खुशामद करना	पद पाने के लिए वह अफसरों के तलवे चाटता है।
108	**दम तोड़ना**	मर जाना	अस्पताल पहुँचने से पहले ही घायल ने दम तोड़ दिया।

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
109	**दाल न गलना**	सफल न होना	बेईमानों की यहाँ दाल नहीं गलेगी।
110	**नाच न जाने आँगन टेढ़ा**	अपनी अयोग्यता का दोष दूसरे पर मढ़ना	काम न आया तो साधनों को दोष देते हो — नाच न जाने आँगन टेढ़ा।
111	**नानी याद आना**	विकट कष्ट में पड़ जाना	कठिन प्रश्न देखकर उसे नानी याद आ गई।
112	**पगड़ी उछालना**	अपमान करना	भरी सभा में किसी की पगड़ी उछालना उचित नहीं।
113	**पानी फेरना**	बनी-बनाई बात नष्ट कर देना	उसकी एक भूल ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया।
114	**पापड़ बेलना**	बहुत कठिनाइयाँ झेलना	यहाँ तक पहुँचने के लिए उसे बहुत पापड़ बेलने पड़े।
115	**फूट-फूट कर रोना**	बहुत विलाप करना	माँ की मृत्यु पर वह फूट-फूट कर रोया।
116	**बंदर घुड़की**	झूठी धमकी	उसकी बंदर घुड़की से यहाँ कोई नहीं डरता।
117	**बात का धनी**	वचन का पक्का	वह बात का धनी है, कहकर कभी मुकरता नहीं।
118	**भँवर में पड़ना**	मुसीबत में फँसना	कर्ज लेकर वह ऐसे भँवर में पड़ा कि निकलना मुश्किल हो गया।
119	**मन के लड्डू खाना**	कोरी कल्पना में खुश होना	काम किए बिना मन के लड्डू खाने से कुछ नहीं होता।
120	**मुट्ठी गरम करना**	रिश्वत देना	काम करवाने के लिए उसने बाबू की मुट्ठी गरम की।
121	**चाँदी का जूता**	रिश्वत/घूस	चाँदी के जूते के आगे बड़े-बड़े ईमानदार झुक जाते हैं।
122	**लाल-पीला होना**	बहुत क्रोधित होना	जरा-सी बात पर वह लाल-पीला हो गया।
123	**आँखें फेर लेना**	उपेक्षा करना/बदल जाना	मुसीबत में उसने मुझसे आँखें फेर लीं।
124	**आँच न आने देना**	जरा भी हानि न होने देना	उसने अपने बच्चों पर कभी आँच न आने दी।
125	**उन्नीस-बीस का अंतर**	बहुत थोड़ा अंतर	दोनों के काम में बस उन्नीस-बीस का अंतर है।
126	**कान खड़े होना**	सतर्क हो जाना	संदिग्ध आहट सुनकर पहरेदार के कान खड़े हो गए।
127	**खटाई में पड़ना**	अनिश्चित/अधर में लटक जाना	विवाद के कारण सारा सौदा खटाई में पड़ गया।
128	**गुड़ गोबर करना**	बना-बनाया काम बिगाड़ देना	तुम्हारी लापरवाही ने सारा गुड़ गोबर कर दिया।
129	**घर का न घाट का**	कहीं का न रहना	दुविधा में पड़कर वह न घर का रहा न घाट का।
130	**गेहूँ के साथ घुन पिसना**	दोषी के साथ निर्दोष का भी नुकसान होना	छापे में गेहूँ के साथ घुन भी पिस गया।
131	**नाक का बाल होना**	अत्यंत विश्वासपात्र/प्रिय होना	वह मंत्री का नाक का बाल है, उसकी हर बात मानी जाती है।
132	**जान हथेली पर लेना**	प्राणों की परवाह न करना	सैनिक जान हथेली पर लेकर सीमा की रक्षा करते हैं।
133	**दाँत खट्टे करना**	बुरी तरह पराजित करना	हमारी सेना ने शत्रु के दाँत खट्टे कर दिए।
134	**चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना**	घबरा जाना/भयभीत हो जाना	चोरी पकड़े जाने पर उसके चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगीं।
135	**नक्कारखाने में तूती की आवाज**	प्रभावहीन बात/आवाज	बड़े लोगों के बीच उसकी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज थी।
136	**पत्थर की लकीर**	पक्की/अटल बात	उसका वचन पत्थर की लकीर होता है।
137	**भीगी बिल्ली बनना**	डर से दब जाना	रोब झाड़ने वाला अफसर के सामने भीगी बिल्ली बन गया।
138	**मुँह फुलाना**	नाराज़ हो जाना	जरा-सी बात पर वह मुँह फुलाकर बैठ गया।
139	**रोड़ा अटकाना**	बाधा डालना	हर अच्छे काम में वह रोड़ा अटकाता है।
140	**लंबी-चौड़ी हाँकना**	डींग मारना	काम कुछ नहीं, बस लंबी-चौड़ी हाँकता रहता है।
141	**सिर धुनना**	पछताना	अवसर गँवाकर वह सिर धुनता रह गया।
142	**हाथ पीले करना**	कन्या का विवाह करना	पिता ने बेटी के हाथ पीले कर दिए।
143	**अंग-अंग ढीला होना**	बहुत थक जाना	दिनभर के काम से अंग-अंग ढीला हो गया।
144	**आग में घी डालना**	क्रोध या झगड़े को और भड़काना	तुम्हारी बात ने झगड़े की आग में घी डाल दिया।
145	**ईमान बेचना**	बेईमानी करना	थोड़े लाभ के लिए ईमान बेचना ठीक नहीं।

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
146	**कागज़ी घोड़े दौड़ाना**	केवल लिखा-पढ़ी करना, काम न करना	फाइलें इधर-उधर भेजकर बस कागज़ी घोड़े दौड़ाए जाते हैं।
147	**खून खौलना**	बहुत क्रोध आना	अन्याय देखकर उसका खून खौल उठा।
148	**घुटने टेकना**	हार मान लेना	कठिनाइयों के आगे उसने कभी घुटने नहीं टेके।
149	**चील के घोंसले में मांस**	दुर्लभ वस्तु का न मिलना	कंजूस के घर दावत? यह तो चील के घोंसले में मांस ढूँढ़ना है।
150	**दाँत काटी रोटी होना**	गहरी मित्रता होना	राम और श्याम में दाँत काटी रोटी है।